	Publication: Dainik Jagran
	Edition: New Delhi
	Date: 27th July 2014
	Page: 02

जिंदगी की आस लिए कर रहे संघर्ष

मौन रैली के दौरान जंतर मंतर के पास एकत्रित मरीज व उनके परिजन। जागरण

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : अनुवांशिक बीमारी गौशर से पीड़ित बच्चों व उनके परिजनों ने अंतरराष्ट्रीय गौशर दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के पास मौन रैली निकालकर इलाज के लिए गुहार लगाई। पीड़ित बच्चे जिंदगी की आस में बीमारी से लड़ रहे हैं।

गौशर से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास रुक जाता है। इस बीमारी के इलाज के लिए हर माह लाखों खर्च आता है और ताउम्र इलाज कराना पड़ता है। इसलिए लायसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर सपोर्ट सोसाइटी (एलएसडीएसएस) के नेतृत्व में गौशर व एमपीएस बीमारी के मरीजों ने दोपहर 12.30 बजे से जंतर-मंतर से मौन रैली निकाली। इसमें डॉक्टर व वकील भी शामिल थे। वकील अशोक अग्रवाल ने कहा कि कभी-कभार मिलने वाली आर्थिक मदद से समाधान नहीं निकलेगा। नांगलोई के रहने वाले सिराजुद्दीन के सात वर्षीय बेटे अहमद के इलाज के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार को फंड देने व मुफ्त इलाज कराने का आदेश दिया था। सहायता समूहों व दिल्ली सरकार से कुछ फंड जारी होने पर एम्स में बच्चे का इलाज शुरू हुआ। लेकिन बाद में फंड न मिलने से इलाज से मना कर दिया। अहमद के पिता सिराजुद्दीन ने कहा कि उसकी तबियत बिगड़ रही है। गंगाराम अस्पताल के निदेशक (जेनेटिक्स विभाग) डॉ. आइसी वर्मा ने कहा कि इस बीमारी से ग्रस्त बच्चों के इलाज के लिए सरकार का हस्तक्षेप जरूरी है।